International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

बिहार में साक्षरता दर के प्रतिरूप तथा प्रवृत्ति का स्थानिक- सामयिक वश्लेषण

पू र्णमा

पूर्व छात्रा,काशी हिन्दू वश्व वद्यालय,वाराणसी

शक्षा व्यक्ति के अंतर्गत क्षमता और व्यक्तित्व को वक सत करने की क्रया है । जिसमें ज्ञान उ चत आचरण के निर्णय क्षमता तकनीकी दक्षता और कौशल सम्मि लत होते हैं । वर्तमान वश्व के पास पहले से अ धक ज्ञान उपलब्ध है ले कन अन्य संसाधनों की भांति इसका भी वतरण एक समान नहीं है । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पत्र मुख्य रूप से बिहार में साक्षरता दर तथा साक्षरता दर के जिलेवार वतरण पर के प्रतिरूप तथा प्रवृत्ति के अध्ययन को सम र्पत है । राज्य साक्षरता दर की प्रवृत्ति तथा प्रारूप का व्यापक स्थानिक एवं सामयिक मूल्यांकन कया गया है । हालां क 2011 में बिहार की साक्षरता दर बढ़कर 63.82% हो गई है जो क 1991 में 39% तथा 2001 में 47% थी ।इसमें पुरुषों की भागीदारी 71.2% तथा महिलाओं की भागीदारी 51.5% है । देश में राज्य वार साक्षरता दर में काफी भन्नता तो पाई ही जाती है परंतु राज्य के अंदर जिलेवार भी साक्षरता दर का वतरण एक समान नहीं है ।संक्षेप में, साक्षरता दर के संपूर्ण जिले में एक समान वतरण के लए बुनियादी ढांचे को सुधारने की आवश्यकता है ।साथ ही अन्य पहलुओं के प्रबंधन के लए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर देना चाहिए जिससे राज्य में शक्षा के असमान वतरण को प्रति संतु लत कया जा सके ।

परिचय

बिहार प्राचीन काल में शक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है ले कन शक्षण की यह परंपरा मध्यकाल आते-आते लुप्त हो गई । ब्रिटिश युग के उत्तरार्ध में बिहार में ब्रिटिश शक्षा प्रणाली के अंतर्गत बिहार में शक्षा व्यवस्था का पुनरुत्थान कया गया परंतु आजादी के बाद क राज्य सरकार शक्षा के क्षेत्र में गति को बरकरार नहीं रख सकी । परिणामस्वरूप 1951 के आंकड़ों के अनुसार बिहार की साक्षरता दर (13.49%) जो देश की साक्षरता दर (18.33%) से लगभग 5% अंक कम थी ।1991 आते-आते 14.72% अंक कम हो गई (1991 मे भारत की साक्षरता दर 52.2 1% थी जब क बिहार की साक्षरता दर 37.49% ही) ।2001 में यह अंतर बढ़कर 17.31 प्रतिशत अंक हो गया ।2008 के बाद से ही राज्य सरकार के द्वारा शक्षा तथा साक्षरता दर में सुधार के लए सर्व शक्षा अ भयान , अक्षर आंचल योजना जैसे कई कार्यक्रम चलाए गए

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जिसके परिणाम स्वरूप बिहार के साक्षरता दर में धीरे-धीरे वृ द्ध हुई और साक्षरता दर 2011 में बढ़कर 63.82% हो गई । जिसमें पुरुष भागीदारी 71.20% तथा महिला भागीदारी 51.5% है। बिहार में बढ़ती जनसंख्या तथा शक्षा के आवश्यक बुनियादी ढांचे में कमी राज्यवार तथा जिलेवार साक्षरता के असमान वतरण को बढ़ावा देती है । यह समानता ग्रामीण- नगरीय पुरुष-महिला हर पहलू पर प्रभाव डालती है तथा साक्षरता दर के असमान वतरण तथा प्रारूप का कारण बनती है ।

उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्देश्य व भन्न लक्ष्य को प्राप्त करना है:-

- बिहार में साक्षरता दर के स्थानिक सामयिक वतरण का वश्लेषण ।
- भारत तथा बिहार के मध्य 1951 से 2011 तक साक्षरता दर की बदलती प्रवृत्ति का वश्लेषण ।

डेटाबेस तथा क्रया व ध

यह अध्ययन मुख्य रूप से द् वतीयक आंकड़ों पर आधारित है । जिसका संग्रहण बिहार के अ धकारिक वेबसाइट तथा सेंसस ऑफ़ इं डया से कया गया है । आंकड़ों के आधार पर राज्य के साक्षरता दर का सामयिक तथा स्थानिक वतरण का वश्लेषण कया गया है। यह अध्ययन पूर्व गणना पर आधारित आंकड़े हैं जो हमें निर्धारित समय अव ध में साक्षरता दर की प्रवृत्ति का अवलोकन की क्षमता ही प्रदान नहीं करता अ पतु तर्कपूर्ण निष्कर्ष भी देता है आंकड़ों के वश्लेषण के लए इस शोध पत्र में साधारण प्रतिशत निकाला गया है तथा लाइन ग्राफ एवं वर्णमात्री व ध द्वारा मान चत्र में उसका प्रदर्शन कया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

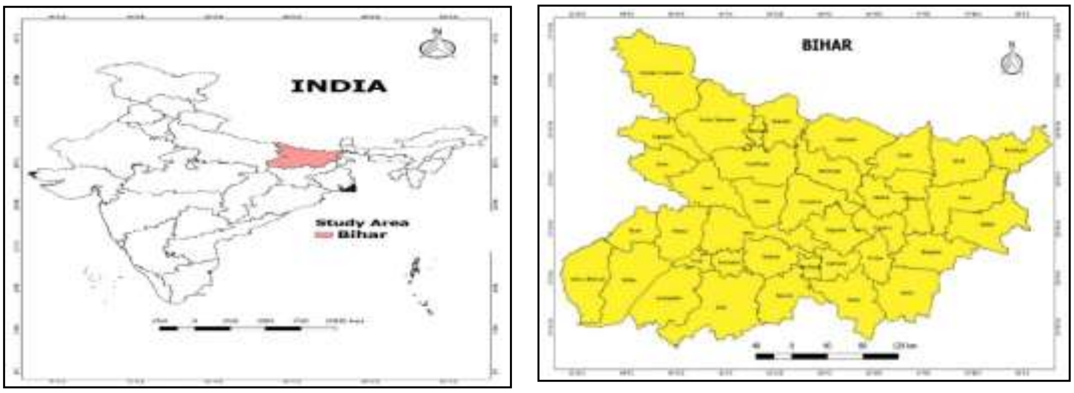

मान चत्र **1:** अध्ययन क्षेत्र का अवस्थिति मान चत्र

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

चयनित राज्य बिहार देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य है। जिसका कुल क्षेत्रफल 94163 km ^{2} है। इसका अक्षांशीय वस्तार 24 डग्री 20 मनट 10 सेकंड से 27 डग्री 31 मनट 15 सेकंड उत्तर है ।जब क देशांतरीय वस्तार 83 डग्री 19 मनट 50 सेकंड से 88 डग्री 17 मनट 40 सेकंड पूर्व है। इसकी सीमा पश्चिम में उत्तर प्रदेश उत्तर में नेपाल पूर्व में पश्चिम बंगाल तथा द क्षण में झारखंड से मलती है ।यह राज्य गरीबी बेरोजगारी तथा निम्न साक्षरता दर जैसी समस्याएं झेल रहा है तथा सबसे कम वक सत क्षेत्र के रूप में चन्हित कया जाता है। अध्ययन के इस क्षेत्र के चयन का मुख्य कारण कई दशकों से इस राज्य का अन्य राज्यों की तुलना में सबसे निम्न श्रेणी पर बने रहना है।

<u>चर्चा एवं परिणाम</u>

सामान्य रूप से इस तथ्य की सर्व स्वीकारता है क बिहार राज्य जनसंख्या तथा जन घनत्व में तीव्र वृ द्ध कर रहा है परंतु शक्षा के क्षेत्र में इसकी स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में दयनीय रही है परंतु पछले कुछ दशक से राज्य की साक्षरता दर में सुधार देखा गया ।जिसका मुख्य श्रेय सरकार द्वारा चलाई गई अक्षर आंचल योजना ,मुख्यमंत्री बा लका साइ कल , पोशाक , दसवीं तथा बारहवीं में उत्तीर्ण बा लका को प्रोत्साहन रा श प्रदान करने की योजनाओं को दिया जा सकता है। इस प्रकार 1951 से 2011 तक बिहार में शक्षा की प्रवृत्ति में काफी परिवर्तन हुए जिसे हम देश की साक्षरता दर की प्रवृत्ति से तुलना करते हुए सरलता से समझ सकते हैं।

भारत तथा बिहार में साक्षरता प्रतिरूप **(1951 से 1971)**

सन 1951 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर 18.33% जनसंख्या समझ के साथ लख तथा पढ़ सकती थी ।जब क बिहार में 1951 में यह आंकड़ा 13.49% ही था। जिसमें बिहार के संदर्भ में पुरुष योगदान 22.68% तथा महिला योगदान 4.22% था। जब क भारत के संदर्भ में यह 27. 16% (पुरुष) तथा 8.6%(महिला) रहा ।बिहार में 1951 में निम्न साक्षरता दर का मुख्य कारण गरीबी, निम्न सामाजिक आ र्थक स्थिति तथा स्वतंत्रता पूर्व की स्थिति रही। जिसमें जनसंख्या को संसाधन के रूप में देखा जाता था ।इस लए शक्षा की व्यापकता नगण्य थी एवं लोग छोटी उम्र से ही खेती मजदूरी कर परिवार का हाथ बटाया करते थे।

1961 में देश की साक्षरता दर बढ़कर 26.3% एवं बिहार की साक्षरता दर 21. 95 % हो गई ।अर्थात देश के संदर्भ में साक्षरता दर 9.98 प्रतिशत अंक बढ़ी जब क बिहार में यह 8.46 % की दर से बढ़ी। जिसमें पुरुष योगदान 40.4%(भारत) तथा 35.85(बिहार) रहा ।जब क महिला योगदान 15.35 %(भारत) तथा 8.11% बिहार का रहा। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है क 1961 में बिहार तथा भारत दोनों में ही

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

साक्षरता दर वृ द्ध में अंतर 1.52% ही था राष्ट्रीय स्तर पर साक्षरता दर में सर्वा धक बढ़ोतरी महिला साक्षरता में इसी दशक में देखी गई फर भी यह पुरुष साक्षरता दर से निम्न बनी रही।

Table1: Trend of literacy rate in India and Bihar (1951-2011)

	INDIA			BIHAR		
Year	Total	Male	Female	Total	Male	Female
1951	18.33%	27.16%	8.86%	13.49%	22.68%	4.22%
1961	28.30%	40.40%	15.35%	21.95%	35.85%	8.11%
1971	34.45%	45.96%	21.97%	23.17%	35.86%	9.86%
1981	43.57%	56.38%	29.76%	32.32%	47.11%	16.61%
1991	52.21%	64.13%	39.29%	37.49%	51.37%	21.99%
2001	64.84%	75.26%	53.67%	47.53%	60.32%	33.57%
2011	74%	82.10%	65.50%	63.80%	71.20%	51.50%

Source: census of India 1951, 1961 ,1971 ,1981, 1991, 2001 &2011

सन् 1971 राष्ट्रीय स्तर पर कुल साक्षरता दर 34.45% थी ।जब क बिहार में यह 23.17% रही । पुरुष योगदान 45.6% (भारत) तथा 35.6% (बिहार) रहा ।जब क महिला साक्षरता दर 21. 97% (भारत) तथा 9.86 % (बिहार)थी ।बिहार की 1961 की पुरुष साक्षरता दर की तुलना में 1971 में पुरुष साक्षरता दर में 0.1 की वृ द्ध हुई । जब क 1961 से 1971 में पुरुष साक्षरता दर राष्ट्रीय स्तर पर 6. 1% बढ़ी । इस प्रकार महिला साक्षरता दर में भी 1961 से 1971 में वृ द्ध 2% से कम ही देखी गई ।जिससे यह स्पष्ट होता है की 1971 में बिहार राष्ट्रीय स्तर की तुलना में साक्षरता दर के संदर्भ में अ धक पछड़ गया । जिसका मुख्य कारण बिहार की पृष्ठभू म रही । बिहार स्वतंत्रता पूर्व से ही एक कृ ष प्रधान राज्य रहा था एवं वर्तमान में भी या कृ ष प्रधान राज्य के रूप में ही पहचाना जाता है ।हालां क आमतौर पर कृ ष प्रधान क्षेत्र में साक्षरता दर निम्न ही देखी जाती है परंतु इस राज्य की ऐतिहा सक पृष्ठभू म पर गौर करें तो ब्रिटिश शासन काल में कृ ष पर लगान के अ धक बोझ ने यहां के निवा सयों को आ र्थक रुप से कमजोर तथा भू म को कम उपजाऊ बना दिया था ।जिस कारण यह राज्य गरीबी का कुचक्र आजादी के बाद भी तोड़ नहीं सका । गरीबी ने शक्षा की व्यापकता के मार्ग में कई अड़चनें डाली ।इसके परिणाम स्वरूप शक्षा को लेकर जागरूक हो जाने के बाद भी आ र्थक तंगी के कारण शक्षा की व्यापकता बा धत ही रही ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

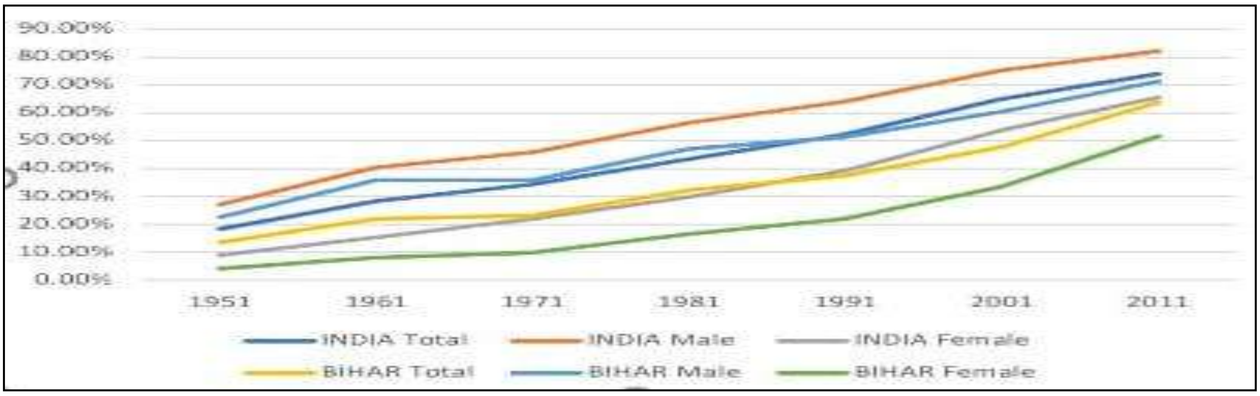

TREND OF LITERACY RATE IN INDIA AND BIHAR IN 1951-2011

Source: based on table 1

भारत तथा बिहार में साक्षरता प्रतिरूप **(1981)**

1981 की जनगणना के अनुसार भारत की 43.57% जनसंख्या समझ के साथ और पढ़ सकती थी जब क बिहार के संदर्भ में कुल साक्षरता दर मात्र 32.32% थी भारत जहां प्राचीन काल में साक्षरता सर्वव्यापी थी (गोसल, 1964, पृष्ठ 276),वहां पर साक्षरता दर निम्न होने का कारण उसका हाल ही का इतिहास रहा। शक्षा सर्फ उच्च वर्गों के लए सुलभ थी जब क निम्न तबके के लए यह पूर्णता बंद थी।

भारत में साक्षरता दर की मुख्य वशेषता यह है क यहां पर स्त्री- , ग्रामीण- नगरीय तथा व वध जनसंख्या समुदायों की साक्षरता दर में बहुत अंतर है ।1981 में राष्ट्रीय स्तर पर स्त्री पुरुष साक्षरता दर 29. 76 % तथा 56. 38% क्रमशः थी जब क बिहार के संदर्भ में यह 47.11% पुरुष तथा 16.61% महिला रहे इस तरह का अंतराल ग्रामीण नगरीय साक्षरता दर में भी दृष्टिगत होता है 1981 की जनगणना के अनुसार भारत की नगरीय जनसंख्या की साक्षरता दर 57.4% तथा ग्रामीण जनसंख्या की साक्षरता दर 29.6% थी तथा अंतराल स्त्रियों में पुरुषों की अपेक्षा अ धक थी । इस अंतर का मुख्य कारण अर्थव्यवस्था सामाजिक जीवन पद्धति पछड़ी कृ ष व्यवस्था नगरीय और आ र्थक निम्न वकास लंबी अव ध तक सामंती शासन तथा प्रशासनिक कुशलता कही जा सकती है।

भारत तथा बिहार का साक्षरता प्रतिरूप **(1991)**

भारत की जनगणना में कसी व्यक्ति को साक्षर तभी माना जाता है जब कसी एक भाषा में पत्र समझदारी पूर्वक पढ लख सकता हो। इसी कारण से योजना आयोग तथा मानव संसाधन वकास मंत्रालय ने यह तय कया क साक्षरता दर प्राप्त करने की श्रेणी में सर्फ उस जनसंख्या समूह को रखा

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जाना चाहिए जिसकी आयु 7 वर्ष या उससे अ धक है ।इससे पूर्व साक्षरता दर की परिकलन में कुल जनसंख्या को सम्मि लत करने का प्रचलन था जिसके परिणाम स्वरूप पहली बार साक्षर की संख्या निरक्षर से अ धक अं कत हो पाई ।

1991 के आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल साक्षरता दर 52.21% रही जिसमें पुरुष योगदान 64.13% तथा महिला योगदान 39.29 % रही । जब क बिहार की कुल साक्षरता दर 37.49% ही रही जिसमें महिला साक्षरता दर 21.9% तथा पुरुष साक्षरता दर 51.37% रही अर्थात राष्ट्रीय स्तर पर कुल साक्षरता दर में 8.65 की बढ़ोतरी देखी गई ।जब क बिहार में यह 5.17 % रही । ठीक इसी प्रकार पुरुष साक्षरता राष्ट्रीय स्तर पर 7.76% बढ़ी जब क बिहार में पुरुषों के संदर्भ में मात्र 4.26% की वृ द्ध दर्ज की गई ।दूसरी ओर महिला साक्षरता में राष्ट्रीय स्तर पर 9.54% की बढ़ोतरी हुई ।जब क बिहार की महिला साक्षरता के संदर्भ में यह 5.38% ही बढ़ी । हालां क शक्षा की महत्ता को ध्यान में रखते हुए हमारे सं वधान निर्माताओं ने पहले ही अनुच्छेद 45 में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लए अनिवार्य एवं निशुल्क शक्षा की व्यवस्था की थी ।ले कन इस दशक में शक्षा के क्षेत्र में मील के पत्थर का काम हुआ ।जिसके परिणाम स्वरूप 86 वें सं वधान संशोधन द्वार 21(क) में प्राथ मक शक्षा को नागरिकों का मूल अ धकार बना दिया गया[7] । जिसके उपरांत यह अ धनियम 1 अप्रैल 2010 से संपूर्ण भारत में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लए मौ लक अ धकार के रूप में लागू है एवं निशुल्क शक्षा का प्रावधान भी करता है ।इससे ना केवल शक्षा के व्यापकता में वृ द्ध तथा इस में व्याप्त असमानता में कमी के मार्ग प्रशस्त हुए बल्कि शक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ाने के प्रयत्न कए जाने लगे ।

भारत तथा बिहार में साक्षरता प्रतिरूप **(2001)**

2001 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर 64.8% हो गई इसकी तुलना अगर 1991 की देश की साक्षरता दर से की जाए जो 52.21% थी तो प्रगति संतोषजनक लगती है ।ता लका से वदित होता है क देश के पुरुषों की कुल जनसंख्या का तीन चौथाई हिस्सा साक्षर की श्रेणी में आता है अर्थात 2001 तक प्रत्येक चार पुरुषों में से तीन पढ़े लखे थे इसी प्रकार महिलाओं की साक्षरता दर 2001 में 53.7% रही पछले दशक से तुलना की जाए तो महिलाओं की साक्षरता वृ द्ध दर पुरुषों की तुलना में अ धक रही है ।

वहीं दूसरी ओर, बिहार में सन् 2001 में कुल साक्षरता 47.53% थी । जो राष्ट्रीय स्तर के महिला साक्षरता औसत से भी कम रही । बिहार में कुल पुरुष जनसंख्या के 60.32 % साक्षर की श्रेणी में शा मल हो पाए अर्थात साक्षरता दर में 8.95% अंक की बढ़ोतरी हुई महिला साक्षरता दर 33.5% ही रही जो बिहार की कुल महिला जनसंख्या 1/3 ही है ।बिहार में भी साक्षरता दर में वृ द्ध हुई है बावजूद इसके

बिहार आज भी साक्षरता के क्षेत्र में देश का सबसे पछड़ा राज्य है ।बिहार के अतिरिक्त सभी राज्य की साक्षरता दर 50% से उच्च थी ।बिहार की पुरुष साक्षरता 60.32% के साथ राष्ट्रीय औसत पुरुष साक्षरता दर 75.6% से भी नीचे है ।बिहार की कुल 33.57% महिला ही साक्षर है । जो राष्ट्रीय औसत महिला साक्षरता 53.7% से 20.1 % अंक कम है ।

भारत और बिहार में साक्षरता प्रतिरूप **(2011)**

सन् 2011 के आंकड़ों के अनुसार देश की औसत कुल साक्षरता दर 74.4% का आंकड़ा छू चुकी है जिसमें पुरुषों का योगदान 82.1% रहा जब क महिलाओं में औसत साक्षरता 65.5% रही बिहार में कुल साक्षरता दर औसत 63.8 है जिसमें महिला साक्षरता दर 51.50 तथा पुरुष साक्षरता दर 71.20% है । आंकड़ों से ज्ञात होता है क देश तथा राज्य दोनों ने साक्षरता के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति की है । देश की सामान्य साक्षरता दर 64.8% से बढ़कर 74.4% हो गई ।अर्थात राष्ट्रीय स्तर पर साक्षरता दर में 9.24% अंकों का सुधार दर्ज कया गया है जब क बिहार के संदर्भ में 2001 के 47.53% से बढ़कर 2011 में यह 63.8% हो गई अर्थात् इसने 16.82% अंकों का सुधार दर्ज कया है ।जो सभी राज्यों में सर्वा धक हैं एवं केंद्र शा सत प्रदेशों को सम्मि लत करते हुए द् वतीय स्थान पर है ।2001 से 2011 के दशक में देश में स्त्री साक्षरता दर 53.7 से बढ़कर 65.6% हो गई है ।वहीं बिहार में महिला साक्षरता 33. 1 %(2001)से बढ़कर 53.33% (2011) हो गई है अर्थात 2001 से 2011 के मध्य महिला साक्षरता में 20% अंकों की वृ द्ध हुई है ।

उपरोक्त वर्णन के आधार पर यह कहा जा सकता है क साक्षरता दर को बेहतर बनाने तथा बच्चों को स्कूलों तक लाने के सरकार के प्रयास सफल रहे हैं स्कूल परित्याज्य दर तथा प्राथ मक नामांकन दर में सुधार देखे गए हैं साक्षरता दर को उच्च बनाने के क्रम में ना केवल बच्चों बल्कि बड़े उम्र के लोगों खासकर महिलाओं के लए अक्षर आंचल योजना आदि भी एक स्तर तक साक्षरता दर उच्च करने में सहयोगी सद्ध हुआ है ।

<u>बिहार में साक्षरता की प्रवृत्ति एवं वतरण</u>

भारत में साक्षरता की मुख्य वशेषता यह रही है क यहां एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश स्त्री पुरुष ग्रामीण नगरीय और व भन्न जाति पर आधारित वर्गों की साक्षरता दर में काफी भन्नता व्याप्त है यह भन्नता व भन्न क्षेत्रों तथा लोगों की सामाजिक आ र्थक पृष्ठभू म की भन्नता का प्रतिफल होते है[4] । यह भन्नता दो राज्यों के बीच ही नहीं अ पतु कसी एक राज्य के व भन्न जिलों के बीच भी देखने को

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मलती है ।बिहार के जिलों के मध्य भी यह भिन्नता स्पष्ट चिन्हित की जा सकती है । हालाँ क साक्षरता के स्तर में देश में और बिहार में आजादी के बाद से ही काफी सुधार देखे गए है फर भी बिहार आज भी साक्षरता दर के आधार पर सभी राज्यों से निम्न स्थान पर ही है । जिसका मुख्य कारण ।गरीबी तथा कृ ष एवं उद्योग दोनों ही सेक्टर में राज्य का पछड़ापन है ।

Table 2: DISTRIBUTION OF LITERACY RATE IN BIHAR 2011

CATEGORY	LITERACY RATE	NAME OF DISTRICTS (according to 2011 census)
LOW	50-55%	PURNIA, SEOHAR, SITMADHI, ARARIA, MADHEPURA, SAHARSA, KATIHAR
MODERATE	55-60%	EAST CHAMPARAN, WEST CHAMPARAN,MADHUBANI, DARBHANGA,SUPAUL,KHAGARIA,KISHANGANJ,NAWADA,BANKA,JAMUI
MODERATELY HIGH	60-65%	MUZAFFARPUR, LAKHISARAI, BHAGALPUR, GAYA, SEIKHPURA, NALANDA,BEGUSARAI, SAMASTIPUR
HIGH	65-70%	JAHANABAD, ARWAL, KAIMUR, SIWAN,SARAN,GOPALGANJ,VAISHALI
VERY HIGH	ABOVE 70%	ROHTAS,BUXAR,BHOJPUR,AURANGABAD,PATNA,MUNGER,

Source :census of India, 2011

जिलेवार भिन्नता (जैसा की टेबल 2 में देखा जा सकता है) से स्पष्ट होता है क पू र्णया में साक्षरता दर सभी जिलों में सबसे कम 51.08% तथा रोहतास में सर्वा धक 73.37% के बीच बदलती है ।बिहार की औसत साक्षरता दर 63.8% है जब क इसके 38 जिलों में से 20 जिलों की साक्षरता दर राज्य के औसत साक्षरता दर से अ धक है ।जिसमें रोहतास (73.37%), औरंगाबाद(70.32%),अरवल(67.43%),पटना (70.67%), शेखपुरा (63.86%), नालंदा(64.43%), भोजपुर(70.47%), बक्सर(70.14%), कैमूर(69.34%), वैशाली(66.6%), बेगूसराय(63.87%),सारण (65.96%), सवान (69.45%) गोपालगंज(65.47%), समस्तीपुर(61.86%), भागलपुर(63.87%), गया(63.67%), लखीसराय(62.42%), मुजफ्फरपुर(63.43%) शा मल है ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

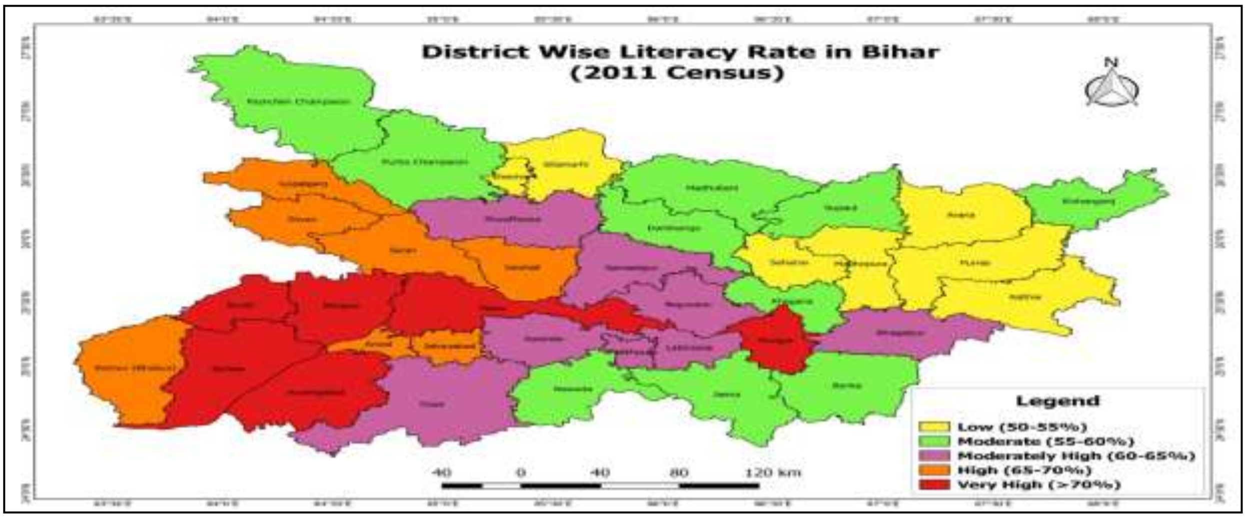

Source: based on table 2

2011 में बिहार राज्य के साक्षरता दर आंकड़ों पर ध्यान दें (जैसा मान चत्र से स्पष्ट होता है) कटिहार, पू र्णया, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, शवहर, सीतामढ़ी आदि जिलों में साक्षरता दर 50 से 55 % के बीच है I कशनगंज, बांका ,जमुई, नवादा ,सुपौल, खग ड़या, दरभंगा ,मधुबनी ,पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण में 55 से 60%,भागलपुर, गया, नालंदा ,शेखपुरा ,लखीसराय, बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर में यह 60 से 65%,अरवल, जहानाबाद, वैशाली, सारण, सवान, गोपालगंज में 65 से 70%,रोहतास ,औरंगाबाद ,बक्सर, भोजपुर, पटना, मुंगेर में यह आंकड़ा 70% से भी अ धक दर्ज कए गए हैं I2001 के आंकड़ों के अनुसार पटना में सर्वा धक साक्षरता दर दर्ज की गई थी जब क 2011 में रोहतास जिले को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है यह प्रवृत्ति स्पष्ट करती है क जिले अपने साक्षरता दर को बेहतर बनाने हेतु प्रयासरत हैं इस लए सर्वोच्च एवं निम्न स्थान प्राप्त करने वाले जिलों की श्रेणी में स्थायित्व की कमी है I

निष्कर्ष

चर्चा के आलोक में यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है क 1951 से 2011 की समयाव ध में बिहार की साक्षरता दर ने 13.49% से 63.80% तक 50% अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की है I फर भी इस राज्य की साक्षरता दर अन्य राज्यों की तुलना में निम्न बनी हुई है I साथ ही बिहार में जिलेवार भी साक्षरता दर के वतरण में कई वषमता व्याप्त है I 18 जिलों की औसत साक्षरता दर राज्य के औसत से भी अ धक है जब क 15 जिलों में राज्य की साक्षरता दर औसत से कम है Iमहिला साक्षरता दर के संदर्भ में भी कुछ इसी तरह की प्रवृत्ति देखी जा सकती है I2001-2011 के मध्य राज्य द्वारा साक्षरता के व्यापकता के प्रयास के सकारात्मक परिणाम भी आंकड़ों में स्पष्ट देखे जा सकते हैं Iबिहार औसत साक्षरता दर एवं

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

महिला साक्षरता दर दोनों को क्रमश: 16.2% तथा 20 % तक बढ़ाने में सफल रहा है । परंतु अभी भी बिहार की साक्षरता के संदर्भ में नीति - निर्माताओं को योजनाओं का निर्माण करते समय ध्यान रखने की जरूरत है क कौन से जिले में कौन सा कारक साक्षरता दर को निम्न बनाए रखने पर अ धक प्रभाव डाल रहा है ता क साक्षरता दर में व्याप्त जिलेवार वषमता को प्रति संतु लत कया जा सके ।

संदर्भ

1) भारत की जनगणना (1951), सामान्य जनसंख्या ता लका, श्रृंखला -1, भाग -1-ए, खंड.2 गृह मंत्रालय अफेयर्स, नई दिल्ली।
2) भारत की जनगणना (1961), प्राथ मक जनगणना सार, बिहार की जनसंख्या ता लकाएँ।
3) भारत की जनगणना (2001). प्राथ मक जनगणना सार, बिहार की जनसंख्या ता लकाएँ।
4) चांदना, आर . सी.(2006). जनसंख्या का भूगोल, कल्याणी प्रकाशक, नई दिल्ली।
5) भारत की जनगणना (2011). प्राथ मक जनगणना सार, बिहार की जनसंख्या ता लकाएँ।
6) जी.ओ.आई (2001) भारत की जनगणना 2001, सामान्य जनसंख्या ता लकाएँ, रजिस्ट्रार जनरल का कार्यालय, गृह मंत्रालय, भारत की वेबसाइट www.censusindia.net से डाउनलोड कया गया है ।
7) गोसल, जी.एस. (1964)। भारत में साक्षरता: एक व्याख्यात्मक अध्ययन, ग्रामीण समाजशास्त्र, वॉल्यूम 29, समूह, नीति अनुसंधान केंद्र। नई दिल्ली।
8) बासुकी नाथ चौधरी युवराज कुमार: भारतीय शासन और राजनीति ,ओरयंट ब्लैकस्वान प्राइवेट ल मटेड नई दिल्ली वर्ष 2011 पृष्ठ संख्या 65